सुभाष चन्द्र बोस

- सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उडीसा के कटक मे हुआ।
- इनके पिता जानकीदास एवं माता प्रभावती थी।
- इनकी प्रारम्भिक शिक्षा कटक में तथा उच्च शिक्षा कलकता विश्वविद्यालय से प्राप्त की।
- जानकीदास 1912 में बंगाल विधानसभा के सदस्य बने और उन्हे रायबहादुर की उपाधि मिली।
- 1919 मे सुभाष चन्द्र बोस I.C.S की परीक्षा के लिए इंग्लैण्ड गए। उन्होंने वहाँ कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।
- 1920 ई. में इन्होंने I.C.S. की परीक्षा उत्तीर्ण की तथा चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।
- ICS जैसी नौकरी छोड़कर इन्होंने देश सेवा का संकल्प लिया।
- इनके राजनीतिक गुरु देशबंधु चितरंजन दास थे, जिनके मार्गदर्शन में इन्होने कार्य किया।
- सुभाषचन्द्र बोस ने असहयोग आंदोलन में बडी सक्रियता से भाग लिया।
- दिसम्बर 1921 मे इन्हें गिरफ्तार कर 6 माह की कैद की सजा सुनाई गयी।

Topic :

Class :

Date :

- गांधीजी के असहयोग आंदोलन वापस लिए जाने पर इन्होंने विरोध किया।

- चितरंजन दास एवं मोतीलाल नेहरू ने 'स्वराज पार्टी' की स्थापना की तब उन्होंने स्वराज दल (पार्टी) के विचारों का प्रचार किया।

- सुभाष चंद्र बोस पर क्रांतिकारी षडयंत्र का आरोप लगाकर ब्रिटिश सरकार ने अक्टूबर 1924 में उन्हें गिरफ्तार कर बर्मा की मांडले जेल में भेज दिया गया।

- 1927 में साइमन कमीशन के भारत आने पर उन्होंने इसके विरोध में आंदोलन की अगुवाई की।

- 1928 ई. में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में नेहरू रिपोर्ट की औपनिवेश स्वराज की माँग का विरोध किया और पूर्ण स्वाधीनता दिए जाने की बात कही।

- सुभाष चन्द्र बोस को अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस का अध्यक्ष भी चुना गया।

- जनवरी 1938 में सुभाषचन्द्र बोस कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन में कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। बोस की आयु उस समय 41 वर्ष थी और वे अब तक के अध्यक्षों में सबसे अल्पायु के थे।

Topic :

Class :

Date :

- कांग्रेस के त्रिपुरी अधिवेशन (1939) में भी कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए।
- कांग्रेस के त्रिपुरी अधिवेशन में इन्होंने महात्मा गांधी के प्रत्याशी पट्टाभिसीतारमैया को पराजित किया था।
- महात्मा गांधी से सुभाषचन्द्र बोस के वैचारिक मतभेद थे।
- कांग्रेस कार्यकारिणी में गांधीजी के समर्थकों का बहुमत था।
- गांधीजी से मतभेद होने पर अध्यक्ष पद से त्याग पत्र देकर 1 मई 1939 को उन्होंने 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की स्थापना की। (शीलभद्र याजी के सहयोग से)
- द्वितीय विश्वयुद्ध में इन्होंने भारतीयों से अंग्रेजो को सहायता न देने की अपील की।
- 2 जुलाई 1940 को 'हॉलवेल स्मारक' ध्वस्त करने के आरोप और भारत सुरक्षा कानून के अन्तर्गत इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।
- जेल में इन्होंने आमरण अनशन शुरू कर दिया। इस पर इन्हे जेल से रिहा कर कलकता के एलगिन रोड स्थित घर में नजरबंद कर दिया।

कलम ACADEMY

Topic : Date :

Class :

- 16 जनवरी 1941 को ये अंग्रेजो को चकमा देकर घर से निकल गए। ये पठान के वेश में छुपते हुए काबुल पँहुचे।

- वे पेशावर व रूस होते हुए मार्च 1941 में जर्मनी के बर्लिन शहर पहुँचते है।

- जर्मनी में सुभाष चन्द्र बोस ने हिटलर से मुलाकात की।

- जर्मनी में इन्हें 'नेताजी' कहकर पुकारा गया।

- रासबिहारी बोस के निमंत्रण पर सुभाषचंद्र बोस जापान पहुँचे और आजाद हिन्द फौज की कमान सम्भाली।

- 8 नवम्बर 1943 जापान सरकार को नवविजित अंडमान व निकोबार द्वीपों को भी 'आजाद हिंद' की अस्थाई सरकार को सौंप दिया।

- इस प्रकार आजाद हिंद सरकार को अपने पहले दो प्रदेश मिले, जिनका नाम बाद में 'शहीद' और स्वराज द्वीप रखा गया।

- Dec. 2018 में परिवर्तित नाम - (द्वीपो का)

(पुराने) ① रास द्वीप - सुभाष चन्द्र बोस (नया)

② हेवलॉक द्वीप - शहीद (नया)

③ नील द्वीप - स्वराज (नया)

Topic :   Date :

Class :

- आजाद हिंद सरकार की अस्थाई सरकार की घोषणा करने के पश्चात् नेताजी ने सिंगापुर मे 'झांसी की रानी लक्ष्मीबाई रेजीमेंट बनाई। इस रेजीमेंट की संचालिका कप्तान 'लक्ष्मी' को नियुक्त किया गया।

- INA की तीन ब्रिगेडों के नाम सुभाष ब्रिगेड, गाँधी ब्रिगेड, नेहरू ब्रिगेड था।

<u>सुभाष चंद्र बोस के प्रमुख नारे:-</u>

① तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

② दिल्ली चलो।

- सूत्रों के अनुसार वायुयान दुर्घटना में 18 अगस्त 1945 को इनकी मृत्यु हुई।

- मृत्यु के रहस्य को जानने हेतु शाह नवाज आयोग, खोसला आयोग तथा मुखर्जी आयोग का गठन हुआ।

कलाम ACADEMY